रौल नं०.....नाम परीक्षार्थी.....

XI-1 अर्द्धवार्षिक परीक्षा सन् 2023–24 ई० A

# हिन्दी (केवल प्रश्न–पत्र)

समय – 3.00 घण्टा कक्षा – 11 पूर्णांक – 100

खण्ड 'क'

1. (क) 'आधुनिककाल को 'गद्यकाल' के नाम से किसने अभिहित किया :– 1
(अ) महावीरप्रसाद द्विवेदी (ब) श्यामसुन्दरदास
(स) रामचन्द्र शुक्ल (द) डॉ. रामकुमान वर्मा।

(ख) भारतेन्दु युग के गद्यकार हैं :– 1
(अ) प्रेमचन्द (ब) गुलाबराय
(स) सरदार पूर्णसिंह (द) पं. बालकृष्ण भट्ट।

(ग) हिन्दी का प्रथम नाटक है :– 1
(अ) सती–प्रताप (ब) नल–दमयन्ती स्वयंवर
(स) कामना (द) नहुष।

(घ) 'तितली' के लेखक हैं :– 1
(अ) अज्ञेय (ब) श्यामसुन्दरदास
(स) जयशंकर प्रसाद (द) प्रेमचन्द।

(ङ) 'तुम चन्दन हम पानी' किस विधा की रचना है :– 1
(अ) नाटक (ब) संस्मरण
(स) आत्मकथा (द) निबन्ध।

2. (क) 'गुंजन' के रचनाकार हैं :– 1
(अ) अज्ञेय (ब) सुमित्रानन्दन पंत
(स) रामधारीसिंह दिनकर (द) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'।

(ख) 'अनामिका' के रचयिता हैं :– 1
(अ) महादेवी वर्मा (ब) सुमित्रानन्दन पंत
(स) निराला (द) अज्ञेय।

(ग) 'साकेत' के रचनाकार हैं :– 1
(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) दिनकर
(स) मैथिलीशरणा गुप्त (द) भगवतीचरण वर्मा।

(घ) 'परमाल रासो' किस काल की रचना है :– 1
(अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल (स) रीतिकाल (द)आधुनिककाल।

(ङ) 'श्रीरामचरितमानस' में कुल काण्डों की संख्या है :– 1
(अ) आठ (ब) सात (स) नौ (द) छह।

3. निम्न गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:– 10

ये सब तो समाज धर्म हैं। जो देश–काल के अनुसार शोधे और बदले जा सकते हैं। दूसरी खराबी यह हुई है कि उन्हीं महात्मा बुद्धिमान् ऋषियों के वंश के लागों ने अपने बाप–दादों का मतलब न समझकर बहुत–से नए–नए धर्म बनाकर शास्त्रों में धर दिए। बस सभी तिथि व्रत और सभी स्थान तीर्थ हो गए। सो इन बातों को अब एक बेर आँख खोलकर देख ओर समझ लीजिए कि फलानी बात उन बुद्धिमान ऋषियों ने क्यों बनाई और उनमें जो देश और काल के अनुकूल और उपकारी हों उनका ग्रहण कीजिए। बहुत सी बातें जो

(पृष्ठ पलटिए)

समाज विरूद्ध मानी जाती हैं, किन्तु धर्मशास्त्रों में जिनका विधान है, उनका चलाइए।

(अ) गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) अधिकांश सामाजिक धर्मों की क्या दशा हो गई है?
(द) 'फलानी' और 'विधान' का शब्दार्थ क्या है?

**अथवा**

प्रकृति के रम्य रूपों में तल्लीनता की जो अनुभूति होती है, उसका उपयोग कविगण कभी-कभी रहस्यमयी भावनाओं के संचार में भी करते हैं। यह अखण्ड भूमण्डल तथा असंख्य ग्रह, उपग्रह, रवि-शशि, अथवा जल, वायु, अग्नि, आकाश कितने रहस्यमय तथा अज्ञेय हैं। इनके सृष्टि-संचालन आदि के सम्बन्ध में दार्शनिकों अथवा वैज्ञानिकों ने जिन तत्वों का निरूपण किया है व ज्ञानगम्य अथवा बुद्धिगम्य होने के कारण नीरस तथा शुष्क हैं।

(अ) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) किसके रहस्य अज्ञेय हैं?
(द) सृष्टि-संचालन से सम्बन्धित दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के निरूपण नीरस और शुष्क क्यों हैं?

4. निम्न में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10

(क) सन्तौ भाई आई ग्यान की आँधी रे।
भ्रम की टाटी सबै उड़ाणीं, माया रहै न बाँधी रे॥
दुचिते की दोइ थुनीं गिरांनी, मोह वलीडा टूटा।
त्रिस्नां छानि परी घर ऊपरि, कुबधि का भाँडा फूटा॥
जोग जुगति करि सन्तौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।
कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी।
आँधी पीछैं जो जल बूठा, प्रेम हरी जन भीनां।
कहै कबीर भाँन के प्रगटे, उदित भया तम बीनाँ॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) इस पद में मुख्यतः कौन-सा अलंकार प्रयुक्त है?
(द) कबीर के अनुसार शारीरिक अहंकार कब समाप्त हो गया?

(ख) हृदय-घाउ मेरे, पीर रघुबीरै।
पाइ सँजीवनी जातिकगि कहत यों प्रेमपुलकि बिसराय सरीरै।
मोहिं कहा बूझत पुनि पुनि जैसे पाठ अरथ चरचा कीरै।
सोभा सुख छति लाहु भूप कहँ, केवल कान्ति मोल हीरै॥
तुलसी सुनि सौमित्र-बचन सब धरि न सकत धीरौ धीरै।
उपमा राम-लखन की प्रीति की क्यौं दीजै खीरै-नीरै॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) सुग्रीव को सम्बोंधित करते हुए श्रीराम क्या कहते हैं?
(द) 'खीरै-नीरै' में कौन-सा समास है?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
(स) सरदार पूर्णसिंह।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5
(अ) कबीरदास (ब) सूरदास (स) गोस्वामी तुलसीदास।

6. 'बलिदान' अथवा 'आकाशदीप' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 5

7. स्वपठित नाटक के किसी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

## खण्ड 'ख'

8. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 7

(क) ऋषेः भरद्वाजस्य आश्रमः अपि अत्रैव अस्ति। यत्र पुरा दशसहस्रमिताः विद्यार्थिनः अधीतिनः आसन्। पितुः आज्ञां पालयन् पुरुषोत्तमः श्रीरामः अयोध्यायाः वनं गच्छन् 'कुत्र मया वस्त्रव्यम्' इति प्रष्टुम् अत्रैव भरद्वाजस्य समीपम् आगतः।

**अथवा**

अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तरसीम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रुभ्यः सततं रक्षति। हिमालयादेव समुद्रगम्य गङ्गा-सिन्धु-ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्यः, शतद्रि-विपाशा-यमुना-सरयू-गण्डकी-नारायणी-कौशिकी-प्रभृतयः नद्यश्च समस्तापि उत्तरभारतभुर्व स्वीकीयैः तीर्थोदकैः न केवलं पुनन्ति, अपितु इमां शस्यश्यामलामपि कुर्वन्ति।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 7

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव।
यद् भद्रं तन्न आसुव॥

**अथवा**

कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:- 4
(क) प्रयागस्य नाम 'प्रयागः' कथम् अभवत्?
(ख) अस्माकं जीवनं कीदृशं भवेत्?
(ग) यत्नेन किं संरक्षेत?
(घ) शिवस्य स्थानं कुत्र स्वीकृतमस्ति?

10. (क) हास्य रस अथवा श्रृंगार रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2
(ख) यमक अलंकार अथवा श्लेप अलंकार की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2
(ग) चौपाई अथवा सोरठा की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए तथा प्रारम्भ में संक्षिप्त रूपरेखा भी लिखिए:- 9
(क) नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
(ख) साहित्य समाज का दर्पण है।
(ग) स्वच्छ भारत अभियान।

(पृष्ठ पलटिए)

12. (क) (अ) 'पररूप' सन्धि है :- 1

(i) पौ + अकः (ii) विष्णो + अव
(iii) उप + ओषति (iv) देव + ईशः।

(ब) 'रामः चलति' की सन्धि होगी :- 1

(i) रामचलति (ii) रामष्चलति
(iii) रामश्चलति (iv) रामस्चलति।

(स) 'उत्कीर्ण' का सन्धि-विच्छेद है :- 1

(i) उत् + कीर्णः (ii) उत् + किर्णः
(iii) उद् + कीर्णः (iv) उद् + किर्णः।

(ख) (अ) 'पीताम्बरम्' में समास है :- 1

(i) कर्मधारय (ii) अव्ययीभाव
(iii) तत्पुरूष (iv) द्विगु।

(ब) 'कुपुत्रः' में समास है :- 1

(i) कर्मधारय (ii) अव्ययीभाव
(iii) बहुव्रीहि (iv) द्विगु।

13. (क) (अ) 'आत्मनः' शब्द रूप है 'आत्मन्' के :- 1

(i) चतुर्थी, द्विवचन का (ii) पञ्चमी, द्विवचन का
(iii) तृतीय, एकवचन का (iv) सप्तमी, बहुवचन का।

(ब) 'राज्ञे' शब्द रूप है 'राजन्' शब्द के :- 1

(i) तृतीया, एकवचन का (ii) चतुर्थी, एकवचन का
(iii) पञ्चमी, बहुवचन का (iv) सप्तमी, एकवचन का।

(ख) (अ) 'अनयाम' रूप है 'नी' धातु का :- 1

(i) लङ, उत्तम, बहुवचन (ii) लङ्, उत्तम, द्विवचन
(iii) लृट्, प्रथम, एकवचन (iv) लोट्, प्रथम, बहुवचन।

(ब) 'अनयः, रूप है 'नी' धातु का:- 1

(i) लट्, मध्यम, द्विवचन (ii) लङ् मध्यम, एकवचन
(iii) लङ्, प्रथम,बहुवचन (iv) लृट्, प्रथम, एकवचन।

(ग) (अ) 'श्रीमान्' में प्रत्यय लगा है :- 1

(i) त्व प्रत्यय (ii) क्त्वा प्रत्यय
(iii) तल् प्रत्यय (iv) मतुप् प्रत्यय

(ब) 'दानीयः' में धातु और प्रत्यय है :- 1

(i) दा + अनीयर् (ii) दान + ईयः
(iii) दा + अनीयः (iv) दा + नीयः।

(घ) (अ) 'स्वाहा' के योग में विभक्ति प्रयुक्त होती है :- 1

(i) द्वितीया (ii) चतुर्थी (iii) पञ्चमी (iii) तृतीया

(ब) 'प्रकृत्या साधुः।' रेखांकित प्रयुक्त विभक्तिः- 1

(i) द्वितीया (ii) पञ्चमी (iii) चतुर्थी (iii) तृतीया

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :- 4

(क) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।
(ख) मैं कल दिल्ली जाँऊगा।
(ग) राम सीता के साथ वन गए।
(घ) गाँव के चारों ओर बाग है।
(ङ) बालक पुस्तक पढ़तो है।
(च) बालिका गीत गाती है।